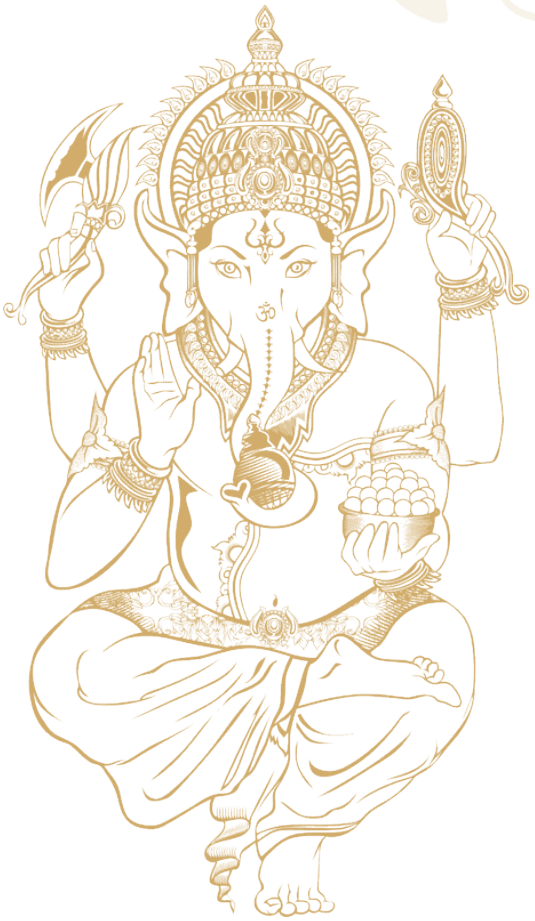

Mr.harsh kumar

09 Jul 2007

09:45 AM

Manihari

Model: web-freekundliweb

Order No: 121784011

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/07/2007**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**09:45:00 घंटे**
इष्ट	12:03:42 घटी
स्थान	**Manihari**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:21:00 उत्तर
रेखांश	87:38:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:05:32 घंटे
वेलान्तर	-00:05:08 घंटे
साम्पातिक काल	05:12:27 घंटे
सूर्योदय	04:55:31 घंटे
सूर्यास्त	18:33:26 घंटे
दिनमान	13:37:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	22:38:50 मिथुन
लग्न के अंश	25:18:03 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	धृति
करण	वणिज
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	25:18:03	325:25:52	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	---
सूर्य			मिथु	22:38:50	00:57:13	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	सम राशि
चंद्र			मेष	12:11:39	14:17:44	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
मंगल			मेष	16:15:29	00:42:21	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	स्वराशि
बुध	व		मिथु	08:32:40	00:04:34	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	स्वराशि
गुरु	व		वृश्चि	17:12:51	00:05:00	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	03:14:55	00:33:49	मघा	1	10	सूर्य	केतु	सूर्य	शत्रु राशि
शनि			कर्क	29:13:55	00:06:38	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	14:28:20	00:02:44	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:28:20	00:02:44	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	24:37:59	00:00:44	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
नेप	व		मक	27:33:47	00:01:16	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
प्लूटो	व		धनु	03:10:21	00:01:27	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
दशम भाव			वृष	25:06:26	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:50

लग्न-चलित

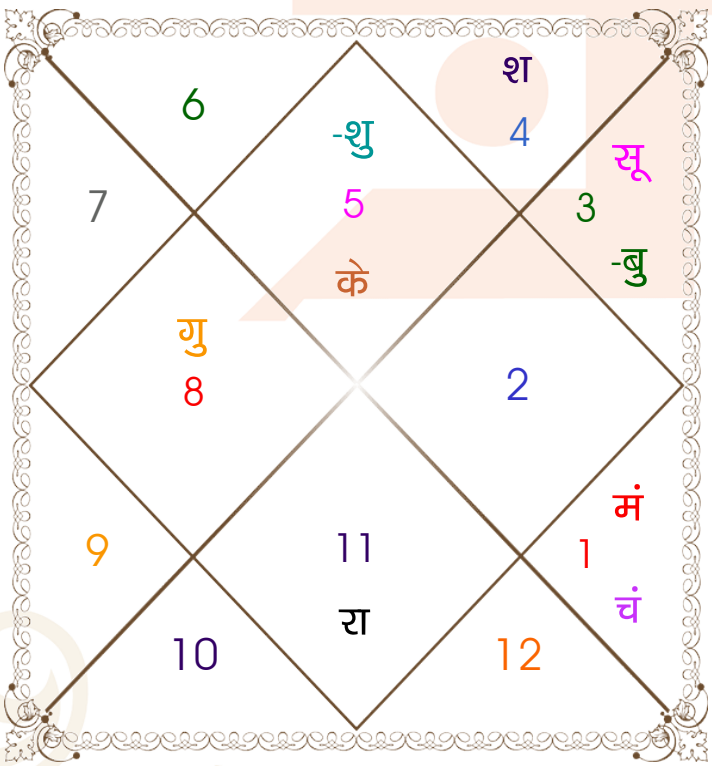

चन्द्र कुंडली

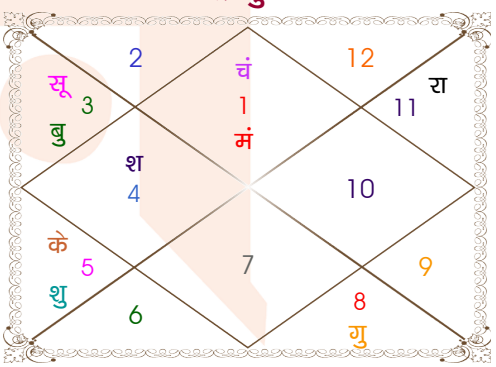

नवमांश कुंडली

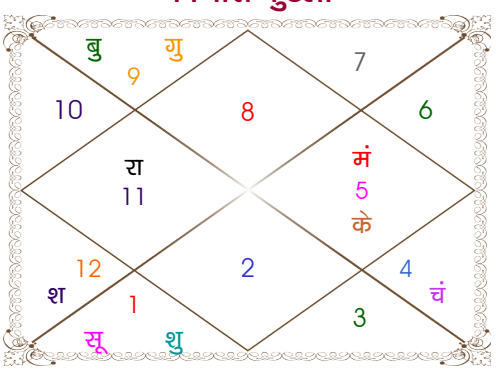

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 7 मास 5 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
09/07/2007		12/02/2008		12/02/2028		12/02/2034		12/02/2044	
12/02/2008		12/02/2028		12/02/2034		12/02/2044		12/02/2051	
	00/00/0000	शुक्र	14/06/2011	सूर्य	01/06/2028	चंद्र	13/12/2034	मंगल	11/07/2044
	00/00/0000	सूर्य	13/06/2012	चंद्र	01/12/2028	मंगल	14/07/2035	राहु	29/07/2045
	00/00/0000	चंद्र	12/02/2014	मंगल	07/04/2029	राहु	12/01/2037	गुरु	05/07/2046
	00/00/0000	मंगल	14/04/2015	राहु	02/03/2030	गुरु	14/05/2038	शनि	14/08/2047
	00/00/0000	राहु	14/04/2018	गुरु	19/12/2030	शनि	13/12/2039	बुध	10/08/2048
	00/00/0000	गुरु	13/12/2020	शनि	01/12/2031	बुध	14/05/2041	केतु	06/01/2049
	00/00/0000	शनि	12/02/2024	बुध	07/10/2032	केतु	13/12/2041	शुक्र	08/03/2050
	09/07/2007	बुध	13/12/2026	केतु	12/02/2033	शुक्र	14/08/2043	सूर्य	14/07/2050
बुध	12/02/2008	केतु	12/02/2028	शुक्र	12/02/2034	सूर्य	12/02/2044	चंद्र	12/02/2051

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
12/02/2051		12/02/2069		12/02/2085		13/02/2104		13/02/2121	
12/02/2069		12/02/2085		13/02/2104		13/02/2121		10/07/2127	
राहु	25/10/2053	गुरु	02/04/2071	शनि	15/02/2088	बुध	12/07/2106	केतु	12/07/2121
गुरु	20/03/2056	शनि	13/10/2073	बुध	26/10/2090	केतु	09/07/2107	शुक्र	11/09/2122
शनि	25/01/2059	बुध	19/01/2076	केतु	04/12/2091	शुक्र	09/05/2110	सूर्य	17/01/2123
बुध	13/08/2061	केतु	25/12/2076	शुक्र	03/02/2095	सूर्य	16/03/2111	चंद्र	18/08/2123
केतु	01/09/2062	शुक्र	26/08/2079	सूर्य	16/01/2096	चंद्र	14/08/2112	मंगल	14/01/2124
शुक्र	31/08/2065	सूर्य	13/06/2080	चंद्र	16/08/2097	मंगल	11/08/2113	राहु	31/01/2125
सूर्य	26/07/2066	चंद्र	13/10/2081	मंगल	25/09/2098	राहु	29/02/2116	गुरु	07/01/2126
चंद्र	25/01/2068	मंगल	19/09/2082	राहु	02/08/2101	गुरु	05/06/2118	शनि	16/02/2127
मंगल	12/02/2069	राहु	12/02/2085	गुरु	13/02/2104	शनि	13/02/2121	बुध	10/07/2127

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 7 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरूष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।